Contents

: अनुक्रमणिका :

(1) प्रथम अध्याय : विषय – प्रवेश पृ. 20-80

* प्रास्ताविक
* हिन्दी उपन्यास के विकास की अति-संक्षिप्त रूपरेखा
* भाषा की परिभाषा
* उपन्यास की भाषा
* हिन्दी गद्य का विकास
* उपन्यास की भाषा : विभिन्न स्तर
* उपन्यास और यथार्थ
* यथार्थ और भाषा
* भाषिक संरचना से तात्पर्य
* निष्कर्ष
* संदर्भानुक्रम

(2) द्वितीय अध्याय : आलोच्य उपन्यासों की कथ्य-चेतना पृ. 81-150

* प्रास्ताविक
* "राग दरबारी" की कथ्य-चेतना
* "मुझे चाँद चाहिए" की कथ्य-चेतना
* "काशी का अस्सी" की कथ्य-चेतना
* निष्कर्ष
* संदर्भानुक्रम

(3) तृतीय अध्याय : "राग दरबारी" उपन्यास की भाषिक-संरचना पृ. 151-204

* प्रास्ताविक
* चरित्र-सृष्टि और भाषिक संरचना
* वातावरण या देशकाल के निर्माण में भाषिक-संरचना का योग
* वर्ण-विचार

✶ शब्द-विचार :

(क) शब्दों का वर्गीकरण-शास्त्रानुसार, (ख) ध्वन्यात्मक शब्दावली, (ग) ग्रामीण शब्दावली, (घ) व्यंग्यात्मक शब्दावली, (छ) आवृत्तिमूलक शब्दावली, (ज) उर्दू शब्दावली, (झ) अंग्रेजी शब्दावली, (ट) संस्कृत शब्दावली, (ठ) शब्द-सहचयन (Word-Association), (ड) मुहावरों का प्रयोग।

✶ वाक्य-विचार :

वाक्य की परिभाषा, वाक्य के प्रकार, व्यंग्य-वाक्य, सूत्रात्मक वाक्य, कहावतों का प्रयोग।

(क) नाटकीय मंत्रियायुक्त वाक्य, (ख) सूत्रात्मक सोक्ति-प्रधान वाक्य, (ग) अंग्रेजी के वाक्य, (घ) कहावतों का प्रयोग।

✶ प्रोक्ति-विचार :

प्रोक्तिकी परिभाषा, प्रसंग-सहचयन (Eventual Association), व्यंग्योक्तियाँ, भाषाशैली, 'राग दरबारी' की भाषाशैली की कतिपय विशेषताएँ, व्यंग्यात्मकत्ता, सांकेतिकता, प्रतीकात्मकत्ता, संदर्भ-संपन्नता, विविध भाषाशैलियों का प्रयोग—(i) व्यास-शैली, (ii) समास-शैली, (iii) तरंग-शैली, (iv) विदग्ध-शैली, (v) उद्धरण-शैली, (vi) एब्सर्ड-शैली, (vii) सर्फाला-शैली, (viii) तकियाकलामवाली शैली, (ix) सपाटबयानीवाली शैली।

✶ निष्कर्ष

✶ संदर्भानुक्रम

(4) चतुर्थ अध्याय : "मुझे चाँद चाहिए" उपन्यास की भाषिक-संरचना पृ॰ 205-264

✶ प्रास्ताविक

✶ चर्चित मुद्दे :

उपन्यास की चरित्र-सृष्टि में भाषा का योगदान, देशकाल या वातावरण की सृष्टि में भाषा का योगदान, कथोपकथन में भाषा का योगदान।

✶ शब्द-विचार : (क) निम्न-मध्यवर्गीय कस्बाई शब्दावली, (ख) उच्च मध्यवर्ग और उच्च वर्गीय शब्दावली, (ग) महानगरीय शब्दावली, (घ) आवृत्तिमूलक

शब्दावली, (च) नाटकीय शब्दावली, (छ) फिल्मी शब्दावली, (ज) विभिन्न भाषाओं की शब्दावली – संस्कृत शब्दावली, उर्दू शब्दावली, अंग्रेजी शब्दावली, अंग्रेजी से प्रभावित संस्कृत-हिन्दी शब्दावली, (झ) गालीवाचक शब्दावली, (ट) देशी-विदेशी शराबों के नाम, (ठ) विदेशी कलाकारों और फिल्मो के नाम, (ड) मुहावरों का प्रयोग

* वाक्य विचार : (क) नाटकीय भंगिमायुक्त वाक्य, (ख) सूत्रात्मक या सूक्ति-प्रधान वाक्य, (ग) अंग्रेजी के वाक्य, (घ) कहावतों का प्रयोग।
* प्रोक्ति-विचार : (क) सूक्तियाँ, (ख) नाट्योंक्तियाँ, (ग) फिल्मोक्तियाँ।
* भाषाशैली
* निष्कर्ष
* संदर्भानुक्रम

(5) पंचम् अध्याय : "काशी का अस्सी" उपन्यास की भाषिक-संरचना पृ: 265-314

* प्रास्ताविक
* चर्चित मुद्दे :
* चरित्र-सृष्टि और 'अस्सी' की भाषा, 'देशकाल' या वातावरण और 'अस्सी' की भाषा, कथोपकथन में भाषा का योग।
* वर्ण-विचार
* शब्द-विचार: **(क)** ग्रामीण पृष्ठभूमिवाली शब्दावली **(ख)** आवृत्तिमूलक शब्दावली, **(ग)** नामधातु-क्रियावाची शब्द, **(घ)** व्यंग्यात्मक शब्दावली, **(च)** राजनीतिक शब्दावली, **(छ)** गालीवाचक शब्दावली, **(ज)** मुहावरे, **(झ)** विविध भाषाओं की शब्दावली- (1) संस्कृत शब्द, (2) उर्दू शब्द, (3) अंग्रेजी शब्द, (4) अंग्रेजी से व्युत्पन्न शब्द।
* वाक्य-विचार : **(1)** व्यंग्यात्मक वाक्य, **(2)** सूत्रात्मक वाक्य, **(3)** राजनीतिक वाक्य – (क) पात्रों के कथन या विश्लेषण के रूप में आये हुए वाक्य, (ख) नारों के रूप में उछले हुए राजनीतिक वाक्य। **(4)** अंग्रेजी के वाक्य, **(5)** संस्कृत के वाक्य, **(6)** कहावतें।

* प्रोक्ति-विचार : (क) व्यंग्योक्तियाँ, (ख) हास्योक्तियाँ, (ग) राजनीतिक उक्तियाँ, (घ) विषादोक्तियाँ।
* भाषाशैली
* निष्कर्ष
* संदर्भानुक्रम

(6) **षष्ठ अध्याय : आलोच्य उपन्यासों में नवीन भाषाभिव्यंजना** पृ. 315-352

* प्रास्ताविक
* नवीन अभिव्यंजना : नया शिल्प
* नवीन उपमान
* भाषा में नवीन रूपकों का प्रयोग
* विशेषण-विपर्यय
* असाधारण क्रियारूपों का प्रयोग
* नवीन मुहावरे तथा कहावतें
* तकिया – कलाम
* मुद्रा अलंकार
* निष्कर्ष
* सदर्भानुक्रम

(7) **सप्तम् अध्याय : उपसंहार** पृ. 353-367

* सार-संक्षेप
* निष्कर्ष
* उपादेयता
* भविष्यत् संभावनाएँ

* * *

ग्रन्थानुक्रमणिका (Bibliography) पृ. 368-379

- ✶ परिशिष्ट – 1 : उपजीव्य-ग्रन्थ
- ✶ परिशिष्ट – 2 : सहायक-ग्रन्थ सूची (हिन्दी)
- ✶ परिशिष्टा – 3 : सहायक ग्रन्थ सूची (अंग्रेजी)
- ✶ परिशिष्ट – 3 : कोश-ग्रन्थ इत्यादि
- ✶ परिशिष्ट – 5 : पत्र-पत्रिकाएं

---: इति शुभम् :---